देहरादून (उत्तराखण्ड)
शनिवार 17.05.2025
समय 0720

मुख्य समाचार :–

- राज्य मंत्रिमंडल ने प्रदेश में पोल्ट्री फार्मिंग की नई नीति को मंजूरी दी। मुर्गी पालन के लिए पहाड़ में 40 प्रतिशत और मैदान में 20 फीसदी सब्सिडी दी जाएगी।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चम्पावत जिले के विकास के लिये एक सौ तेरह करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।
- प्रदेश के सभी विकासखंड, नगर निगम और नगर पालिकाओं में अंबेडकर शिविरों का आयोजन कर आम लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है।
- राज्य योजना के तहत प्रदेश में सड़क निर्माण व सुधार कार्यों के लिए 26 करोड़ 62 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई।

कैबिनेट निर्णय

राज्य मंत्रिमंडल ने मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना, नई पोल्ट्री नीति और वर्चुअल रजिस्ट्री जैसे महत्वपूर्ण निर्णयों को मंजूरी देने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में कल सचिवालय में आयोजित कैबिनेट बैठक में कुल 20 प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई।

बैठक में तय किया गया कि मुख्यमंत्री राहत कोष की धनराशि अब ज्यादा ब्याज देने वाले बैंकों में जमा की जाएगी, जिसके लिए संशोधित नियमावली को मंजूरी दी गई। बड़े निवेशकों के लिए उत्तराखंड में पोल्ट्री फार्मिंग की नई नीति मंजूर की गई, जिसमें पहाड़ में 40 प्रतिशत और मैदान में 20 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी। हरियाणा की तर्ज पर तैयार इस नीति के तहत अंडा उत्पादन की 35 और चिकन उत्पादन की 20 फर्में स्थापित होंगी, जिससे करीब तीन हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

मंत्रिमंडल ने गौ सदनों में निराश्रित गोवंश के लिए नई नीति को भी मंजूरी दी है। इसके तहत गौशालाओं के निर्माण के लिए जिलाधिकारियों को अधिकार दिए गए हैं और इसके लिये सरकार 60 प्रतिशत अनुदान देगी।

कैबिनेट निर्णय–2

इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना को मंजूरी दी गई है, जिसके तहत पहले वर्ष में दो हजार महिलाओं को दो लाख रुपये तक के प्रोजेक्ट पर डेढ़ लाख रुपये की सब्सिडी मिलेगी। इस योजना में कृषि, बागवानी, मत्स्य पालन और ब्यूटी पार्लर जैसे कार्य शामिल हैं। इसके लिए 30 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है।

मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के दूसरे चरण को भी मंजूरी दी गई है, जिसमें पहले की दो योजनाओं को समावेशित किया गया है। तपोवन से गुंजापुरी, नरेंद्रनगर रोपवे के लिए पर्यटन विभाग की नई नीति को भी कैबिनेट ने मंजूरी दी है।

लोकार्पण और शिलान्यास

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चम्पावत जिले के विकास के लिये एक सौ तेरह करोड़ पैंसठ लाख रुपए की अट्ठारह परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। टनकपुर स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में श्री धामी ने जिले के लिये पर्यटन, पेयजल, सड़क, सिंचाई, होमस्टे और गौशाला निर्माण समेत विभिन्न क्षेत्रों की योजनाएं शुरू कीं। प्रमुख योजनाओं में टनकपुर में मल्टीस्टोरी पार्किंग, सिप्टी वॉटरफॉल का सौंदर्यीकरण, हिमाद्री एम्पोरियम, हार्ट मार्केट क्राफ्ट केंद्र, बागडोरा और नायाल पेयजल योजनाएं, पूर्णागिरी मंदिर मार्ग का विकास, कारागार में भवन निर्माण और पंचमुखी गौशाला का निर्माण शामिल है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों व प्रबुद्धजनों से जन संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आदर्श जनपद की परिकल्पना वरिष्ठजनों के अनुभवों को साझा किए बिना साकार नहीं हो सकती। उन्होंने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि जनता को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भटकना न पड़े।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 'तिरंगा शौर्य यात्रा' में भी भाग लिया। यह यात्रा मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय से पीलीभीत चुंगी तक निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। श्री धामी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने देश को गर्व से भर दिया है और आतंकवाद को लेकर अब भारत की नीति बिल्कुल स्पष्ट है कि आतंक सहा नहीं जाएगा।

शिलान्यास/महिला सशक्तीकरण

शिक्षा एवं सहकारिता मंत्री डॉक्टर धनसिंह रावत ने चमोली जिले के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोपेश्वर में परीक्षा हॉल भवन के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस भवन को लगभग पांच करोड़ बावन लाख रुपए की लागत से तैयार किया जाएगा। डॉ. रावत ने कहा कि महाविद्यालय में एक हजार छात्र–छात्राओं की क्षमता वाला दुमंजिला परीक्षा हॉल और स्ट्रॉन्ग रूम का निर्माण किया जाएगा।

इसके बाद डॉ. रावत ने राजकीय इंटर कॉलेज गोपेश्वर में आयोजित महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि सहकारिता के माध्यम से इस वर्ष राज्य की 2 लाख महिलाओं और चमोली जिले की 10 हजार महिलाओं को "लखपति दीदी" बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

डॉ. रावत ने जानकारी दी कि प्रदेश में अब तक 6 हजार स्वयं सहायता समूहों को शून्य ब्याज दर पर ऋण वितरित किया गया है, जिससे सहकारी बैंकों को भी लाभ हुआ है। उन्होंने बताया कि चमोली जिले में सहकारी बैंक ने अब तक 30 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है।

इस बीच प्रभारी मंत्री ने आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में आमजनमानस की समस्याएं सुनीं, जिनमें से अधिकांश शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया, अवशेष समस्याओं के शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

समीक्षा बैठक

समाज कल्याण योजना अनुश्रवण समिति के उपाध्यक्ष और राज्य मंत्री देशराज कर्णवाल ने कल देहरादून विकास भवन सभागार में जिले में संचालित समाज कल्याण योजनाओं की समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के संकल्प के अनुरूप समाज के अंतिम व्यक्ति तक जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए।

बैठक के दौरान श्री कर्णवाल ने कहा कि सरकार, राज्य के सभी 95 ब्लॉक, नगर निगम और नगर पालिकाओं में 200 अंबेडकर शिविरों का आयोजन कर रही है, जिससे पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ा जा सके।

राज्य मंत्री ने सहायक समाज कल्याण अधिकारियों को ग्राम पंचायत स्तर की बैठकों में अनिवार्य रूप से शामिल होने और विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग बेहतर समन्वय के साथ काम करें और पात्र व्यक्तियों को योजनाओं से वंचित न रहने दें।

बैठक के दौरान उन्होंने जिले में छात्रवृत्ति योजना की समीक्षा करते हुए 4 लाख सत्रह हजार पंजीकृत छात्रों में से केवल 3 हजार को लाभ मिलने पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने छात्रवृत्ति आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाने, होर्डिंग्स के माध्यम से प्रचार–प्रसार बढ़ाने और सभी पात्र बच्चों को योजना से जोड़ने के निर्देश दिए।

सड़क निर्माण–धनराशि स्वीकृत

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य योजना के तहत विभिन्न सड़क निर्माण व सुधार कार्यों के लिए कुल 26 करोड़ 62 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। इससे पिथौरागढ़ जिले के धारचूला में तवाघाट–थानीधार मार्ग का डामरीकरण, बागेश्वर के कपकोट में सौंग–खलीचार हल्का वाहन मार्ग का सीमेंट कंक्रीट सुधार, नैनीताल के भीमताल में भीड़ापानी–खुजेटी मार्ग के पहले 5 किलोमीटर का सुधार और पंगोट–देचौरी मार्ग के नव निर्माण के के कार्य किये जाएंगे। साथ ही चंपावत में सूखीढांग–श्यामलाताल

मार्ग को टू लेन करने और देहरादून के धर्मपुर में हरे पुल के स्थान पर नया पुल बनाने के लिए भी धनराशि मंजूर की गई है।

पौधरोपण

आगामी 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रदेश भर में पौधरोपण और मतदाता जागरुकता अभियान की शुरुआत होगी। इस अभियान में प्रदेश के सभी पोलिंग बूथों सहित पूरे प्रदेश में दो लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदंडे ने कल इसकी तैयारियों के सम्बंध में इस अभियान से जुड़े सभी प्रमुख विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने बताया कि लोकपर्व हरेला के साथ जोड़ते हुए पूरे जुलाई माह तक अभियान को चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश में 11 हजार 700 से अधिक पोलिंग बूथ हैं, इस अभियान में प्रत्येक पोलिंग बूथ पर 10 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा जाएगा। प्रत्येक पोलिंग बूथ पर सबसे बुजुर्ग, नए एवं महिला मतदाताओं से पौधरोपण कराया जाएगा। अभियान में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि पौधरोपण के बाद उन पौधों की देखभाल के लिए भी संबंधित लोगों से सहयोग लिया जाएगा। इस अभियान को व्यापक रुप देने के साथ ही पौधरोपण करने वाले मतदाताओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सोशल मीडिया पर प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। अभियान में बढ़चढ कर हिस्सा लेने वाले मतदाताओं को पुरुस्कृत किया जाएगा।

बर्ड फ्लू

नैनीताल जिले में स्थित गोविंद बल्लभ पंत उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान में बर्ड फ्लू की आशंका के चलते उसके रोकथाम के उपायों में पार्क प्रशासन जुटा गया है। चिड़ियाघर प्रबंधन से प्राप्त जानकारी के अनुसार हाल में उत्तर प्रदेश में बर्ड फ्लू के मामलों के सामने आने बाद नैनीताल चिड़ियाघर प्रशासन ने भी केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के निर्देशों पर कई कड़े कदम उठाए हैं। नैनीताल चिड़ियाघर के निदेशक चंद्रशेखर जोशी के अनुसार नियुक्त दो पशु चिकित्सक मोनाल, मोर, गिद्ध, उल्लू, तोता सहित देशी–विदेशी पक्षियों और तेंदुआ, बाघ जैसे अन्य प्राणियों के रक्त के नमूने एकत्र कर स्वास्थ्य जांच कर रहे हैं। साथ ही पक्षियों में सुस्ती, भूख न लगना, सांस की तकलीफ जैसे लक्षणों पर नजर रखने के लिए विशेष निगरानी टीम गठित की गई है, जो दैनिक रिपोर्ट तैयार कर रही है।

रुद्रनाथ

पंच केदारों में से एक चतुर्थ केदार यात्रा को तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाजनक बनाने के लिए जिला प्रशासन और वन विभाग की ओर से हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। केदारनाथ वन प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी तरुण एस ने बताया कि इस वर्ष रुद्रनाथ मंदिर की यात्रा ईडीसी मॉडल पर संचालित की जा रही है, वहीं यात्रा मार्ग के साथ ही मंदिर में चिकित्सा सुविधा देने के लिए व्यवस्था बनाई गई है। इससे रुद्रनाथ मंदिर की यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों को यहां चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी। रुद्रनाथ मंदिर परिसर में सिक्स सिग्मा की ओर से एक चिकित्सक और फार्मेस्टि की तैनाती की गई है। स्टाफ यात्रा काल के दौरान तीर्थयात्रियों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाएंगे। इसके साथ ही यात्रा मार्ग पर तैनात

आठ वन कर्मियों को भी जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों की ओर से प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया गया है। इससे पैदल यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों की समय उपचार मिल सकेगा।